हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 17 .5 डिग्री
न्यूनतम 7 .5 डिग्री

11 जिला स्तरीय कष्ट निवारण समिति में सुनीं समस्याएं

12 अंत्योदय परिवार को 2 किलोवाट पर मिलेगी 1.10 लाख की सब्सिडी

आसमान पर छाए रहे बादल ठंडी हवाओं से ठिठुरे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- आने वाले दिनों में भी तापमान में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है

जिले में मौसम का मिजाज लगातार बदलता हुआ नजर आ रहा है। शनिवार को पूरे दिन आसमान पर बादलों की मोटी परत छाई रही, जिसके कारण सूर्य किरणें खुलकर धरती तक नहीं पहुंच सकीं। दिनभर धुंधले आसमान और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को कड़कड़ाती ठंड का गहरा अहसास हुआ। सुबह के समय से लेकर देर शाम तक वातावरण में ठंडक बनी रही और हवा की नमी ने सर्दी का प्रभाव और बढ़ा दिया। लोग घरों और कार्यस्थलों पर स्वेटर, जैकेट और गर्म कपड़ों में सिमटे नजर आए, वहीं कई स्थानों पर अलाव जलाकर सर्दी से राहत पाने का प्रयास किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सोनीपत के सरगथल केंद्र में शनिवार को न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो रात के समय तेज सर्दी की स्थिति को दर्शाता है। वहीं दिन का अधिकतम तापमान करीब 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले के दिन का न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री और अधिकतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। आंकड़ों की तुलना से स्पष्ट है कि दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि रात का पारा नीचे खिसक गया, जिससे सुबह और देर शाम की सर्दी ज्यादा महसूस हुई।

पांच किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली हवा

शनिवार को दिनभर करीब पांच किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलती रही। हवा की यह धीमी गति जहां कुछ हद तक शुष्कता को कम करती दिखी, वहीं ठंडक को भी लंबे समय तक कायम रखने का काम करती रही। बादलों की मौजूदगी और सूर्य की हल्की उपस्थिति के कारण मौसम सुस्त और ठंडा बना रहा। खेतों, सड़कों और खुले क्षेत्रों में धुंधली दृश्यता के बीच लोगों ने अपने दैनिक कार्य निपटाए। कोचिंग सेंटरों, बाज़ारों और चौराहों पर सामान्य दिनों के मुकाबले भीड़ कम देखी गई, जबकि चाय-नाश्ते की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ी रही।

एक्यूआई 194 तक पहुंचा

वहीं पर्यावरण के मोर्चे पर शहर के लिए राहतभरी खबर सामने आई। शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार दर्ज किया गया और एक्यूआई 194 तक पहुंच गया। पहले की तुलना में प्रदूषण के स्तर में आई यह गिरावट लोगों के लिए सुकून भरी रही। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते तापमान, बादलभरे आसमान और हवाओं की नियमित आवाजाही के कारण वायु में प्रदूषक कणों का घनत्व कुछ हद तक कम हुआ है। हालांकि अभी भी यह स्तर सामान्य श्रेणी से ऊपर है, लेकिन हाल के दिनों की तुलना में सुधार दर्ज किया गया है।

न्यूनतम तापमान गिरने की संभावना

मौसम विशेषज्ञों ने संभावना जताई है कि आने वाले दिनों में भी तापमान में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। रात के समय न्यूनतम तापमान में गिरावट की स्थिति जारी रह सकती है, जबकि दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी संभव है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बादलों का आवरण बरकरार रहा, तो सूरज की किरणें पूरी तरह जमीन तक नहीं पहुंच पाएंगी, जिससे दिनभर ठंड का असर बना रहेगा। वहीं, यदि आसमान साफ हुआ तो सुबह के समय पाला पड़ने की स्थिति भी बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने नागरिकों को ठंड के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा से बचाव करने, गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने और सुबह-शाम को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक

आम्रपाली 12, ऊंचाहार 10 घंटे की देरी से स्टेशन पर पहुंची

सोनीपत। दिल्ली-अंबाला रूट पर ठंड और पंजाब व गाजियाबाद में इंटरलॉकिंग कार्यों के चलते ट्रेनों की रफ्तार धीमी है। दर्जनभर एक्सप्रेस ट्रेनों का शनिवार को परिचालन निर्धारित समय के बजाय 12 घंटे तक की देरी से हुआ। लंबी दूरी की एक्सप्रेस, सुपरफास्ट ट्रेनों के देरी से आने के कारण सवारी गाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। फिरोजपुर मंडल के अमृतसर, दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य को लेकर अप-डाउन लाइन की एक्सप्रेस ट्रेनें शनिवार को 12 घंटे तक की देरी से सोनीपत पहुंची। यात्री संदीप, प्रमोद, सुरेंद्र, अखिलेश, निखिल ने बताया कि ठंड के चलते एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में दिल्ली-अंबाला रूट पर एक्सप्रेस ट्रेनों को पासिंग देने के चक्कर में सवारी गाड़ियों को बीच के रेलवे स्टेशनों पर खड़ा कर दिया जाता है।

अप लाइन की प्रभावित ट्रेनें

दिल्ली-अंबाला रूट पर चलने वाली दादर एक्सप्रेस 12:16 घंटे, ऊंचाहार एक्सप्रेस 9:59 घंटे, आम्रपाली एक्सप्रेस 6:31 घंटे, मालवा एक्सप्रेस 4:01 घंटे, गीता जयंती एक्सप्रेस 3:39 घंटे, बठिंडा एक्सप्रेस 1:22 घंटे, अमृतसर इंटरसिटी एक्सप्रेस 1:28 घंटे, 64465 सवारी गाड़ी 1:15 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची।

डाउन लाइन पर ये ट्रेनें लेट रही

अंबाला-दिल्ली रूट पर चलने वाली दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2:42 घंटे, दादर एक्सप्रेस 1:25 घंटे, झेलम एक्सप्रेस 1 घंटा, जम्मू मेल 1:09 घंटे, गीता जयंती एक्सप्रेस 1:08 घंटे, शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस 1:47 घंटे, हिमाचल एक्सप्रेस 1:07 घंटे, 64454 सवारी गाड़ी 2:12 घंटे, 64464 सवारी गाड़ी 1:04 घंटे, 64462 सवारी गाड़ी 1:12 घंटे, 64452 सवारी गाड़ी 1:01 घंटे की देरी से सोनीपत पहुंची।

समय सारणी में सुधार किया जा रहा

फिरोजपुर मंडल के अमृतसर, दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में इंटरलॉकिंग संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। इसके चलते अप-डाउन रूट पर एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। ट्रेनों के परिचालन की समय सारणी में सुधार किया जा रहा है। - **हिमांशु शेखर उपाध्याय**
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर रेलवे

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

खबर संक्षेप

बाइक सवार दो युवक मोबाइल छीनकर फरार

सोनीपत। राज मोहल्ला में बाइक सवार दो युवक गली से जा रहे युवक का मोबाइल छीनकर भाग गए। सुदामा नगर निवासी विपिन ने सिविल लाइन थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। विपिन ने पुलिस को बताया कि वह पहली जनवरी की रात करीब साढ़े नौ बजे सब्जी मंडी से अपने घर सुदामा नगर लौट रहे थे। जब वह राज मोहल्ला की गली में पहुंचे तो पीछे से एक बाइक पर सवार दो युवक आए।

अवैध पिस्तौल सहित दो युवक गिरफ्तार

खरखौदा। पुलिस ने सूचना के आधार पर दो युवकों को अलग-अलग स्थानों से अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। इनमें एक युवक निजामपुर माजरा निवासी दिनेश उर्फ गोगा को गांव सिलाना के गोरड़ मोड़ और दूसरे युवक को निजामपुर माजरा निवासी विजय को खरखौदा रोहतक मार्ग के छिनौली मोड़ से गिरफ्तार किया गया। दोनों युवकों की तलाशी लेने पर एक-एक अवैध पिस्तौल व एक-एक कारतूस बरामद किया।

व्यापारी नए नियमों का सावधानी से अनुपालन करें

गोहाना। टैक्स बार एसोसिएशन की बैठक दिनेश तनेजा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संचालन सचिव सीए हिमांशु रंग ने किया। बैठक में पान मसाला से जुड़े नए नियमों पर चर्चा की गई, जो 1 फरवरी से लागू हो रहे हैं। अध्यक्ष दिनेश तनेजा ने कहा कि अब पान मसाला पर जीएसटी की गणना खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर की जाएगी, जिससे कर की देयता बढ़ेगी। पैकेटों पर एमआरपी छापना अनिवार्य होगा।

ई-रिक्शाओं पर नियंत्रण करने की मांग उठाई

सोनीपत। सोनीपत नगर में लगातार बढ़ती ई-रिक्शाओं की संख्या एवं उनके अनियंत्रित संचालन को लेकर सोनीपत नगर सुधार मंच के चेयरमेन संजय सिंगला ने पुलिस प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। कहा कि ई-रिक्शा यातायात व्यवस्था में अव्यवस्था और दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। संजय सिंगला ने बताया कि शहर में चल रहे अधिकांश ई-रिक्शाओं पर न तो पंजीकरण नंबर अंकित होता है।

उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: सौदा

सोनीपत। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सौदा एडवोकेट ने कहा कि देश मे आज सरकार की प्राथमिकताओं मे महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था नहीं है बल्कि सिर्फ सत्ता हासिल करना और उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाना है। जैसे आज देश और प्रदेश में मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था का हाल है, उससे तो सिर्फ यही लगता है कि सरकार को आम जनमानस की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।

श्रद्धा के साथ मनाई सावित्रीबाई की जयंती

खरखौदा। देश की प्रथम महिला शिक्षक एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। सावित्रीबाई फुले सेवा समिति, के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत फुले की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर की। तत्पश्चात पदाधिकारियों व सदस्यों ने हवन में आहुति डाल प्रसाद वितरित किया।

53 साल पुरानी सब ब्रांच की 33 प्रतिशत बढ़ेगी क्षमता

126 करोड़ रुपये से भालौठ सब ब्रांच को मिलेगी संजीवनी

गोहाना-बरोदा, किलोई हलके के 28 गांवों में नहरी पानी व पेयजल की उपलब्धता में होगी बढ़ौतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

सोनीपत और रोहतक जिलों में हजारों एकड़ जमीन और लाखों आमजन की प्यास बुझाने में बीते 53 सालों से अहम भूमिका निभा रही भालौठ सब ब्रांच को पांच दशक बाद संजीवनी मिलने जा रही है। नहर की जर्जर लाइनिंग और टूटे पुल, घाट और मोघों को बनाने के लिए नाबार्ड की 600 करोड रुपये की परियोजना के तहत नए साल में भालौठ सब ब्रांच का जीर्णोद्धार नए साल में होने जा रहा है। गोहाना, बरोदा और गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा के दो दर्जन से अधिक गांवों के लिए जीवनदायिनी इस नहर पर खूबडू हैड से मोई हैड तक 126 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी, जिसके लिए 25 किलोमीटर नहर की लाइनिंग का टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

नहर के सभी खराब हालत वाले पुलों को नया व चौड़ा बनाया जाएगा

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है। मंत्री ने शनिवार को सिंचाई विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि खूबडू हैड से निकली भालौठ सब ब्रांच 53 साल पहले पक्की की गई थी। इसके बाद पुनर्निर्माण नहीं होने से इस नहर की लाइनिंग लगभग खत्म हो चुकी है, जिसके चलते नहर अपनी क्षमता के अनुरूप पानी का बहाव नहीं झेल पा रही।

यही नहीं इस पर जगह-जगह बनाए गए पुल, घाट और मोघे खत्म होने से हजारों एकड़ भूमि को जरूरी पानी नहीं मिल पा रहा। खूबडू हैड से मोई हैड तक 25 किलोमीटर खंड में नहर की लाइनिंग के लिए 69 करोड़ 89 लाख रुपये के दो टेंडर हो चुके हैं, जिसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद काम शुरू किया जाएगा। इस राशि से नहर की पूरी लाइनिंग नए सिरे से की जाएगी, जिससे 2100 क्यूसिक क्षमता वाली इस नहर की 33 प्रतिशत क्षमता बढ़कर 2700 क्यूसिक हो जाएगी। कैबिनेट मंत्री के अनुसार भालौठ सब ब्रांच के इस खंड के लिए 56 करोड़ रुपये के दो टेंडर तैयार किए जा चुके हैं, जिसमें नहर के सभी खराब हालत वाले पुलों को नया व चौड़ा बनाया जाएगा। जहां-जहां सड़क क्रास हो रही है, वहां पर नए घाट बनाए जाएंगे। नहर के सभी गेट नए लगाए जाएंगे। यह काम नहर की लाइनिंग का काम पूरा होने के बाद किया जाएगा। डॉ. अरविंद शर्मा ने बताया कि इस नहर के पुनर्निर्माण से गोहाना व बरोदा हलके के 28 गांवों को सीधे तौर पर लाभ होगा। इसमें तेवड़ी, छोटा बजाना, बडा बजाना, कासंडा, कासंडी, दुभेटा, सरगथल, जौली, लाठ, न्यात, ककाना भादरी, दमकन खेडी, कटवाल, रिवाडा, मोई हुड्डा, बली-ब्राह्मणान, आंवली, गुमाना, गुहणा, फरमाना-माजरा, बिलबिलान, सिंकदरपुर माजरा, रभडा, पूठी, रूखी, काहनी, घिलौड कलां को इसका सीधा लाभ होगा। इन गांवों और गोहाना शहर को खेतों में सिंचाई, आमजन के पीने के लिए पानी, पशुओं के तालाबों को भी पर्याप्त पानी मिलेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता बलराम कौशिक, अरुण बड़ौक, मंडल अध्यक्ष प्रवीण खुराना व कुलदीप कौशिक उपस्थित रहे।

गोहाना। पत्रकारों से बातचीत करते कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

गोहाना को जिला बनवाने के प्रयास जारी

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना को भाजपा ने न केवल संगठनात्मक जिला का दर्जा दिया है, अपितु पुलिस जिला भी बनाया है। गोहाना को जिला बनाने के मापदंड पूरे करने के लिए गोहाना, बरोदा व खरखौदा को जोड़ने का विषय था, लेकिन खरखौदा वालों के इनकार के कारण दो उपमंडल का मापदंड अधूरा रह गया, जबकि आबादी और गांवों का मापदंड पूरा है। उन्होंने कहा कि गोहाना को जिला बनाने के लिए वो पूरी जिम्मेदारी के साथ प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने मजबूती के साथ पैरवी की गई है तथा भविष्य में भी की जाएगी।

अटल किसान श्रमिक कैंटीन का शिलान्यास

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना विधानसभा में मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनाई 2 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से बनाई गई तीन सड़कों का उद्घाटन किया। इसमें न्यात से खानपुर कलां, मठगांव से खेड़ी दहिया व लाठ से रभड़ा गांव के संपर्क सड़क का उद्घाटन शामिल है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने नई सब्जी मंडी में 37 लाख रुपये लागत से किसानों, श्रमिको के लिए अटल किसान श्रमिक कैंटीन का शिलान्यास भी किया।

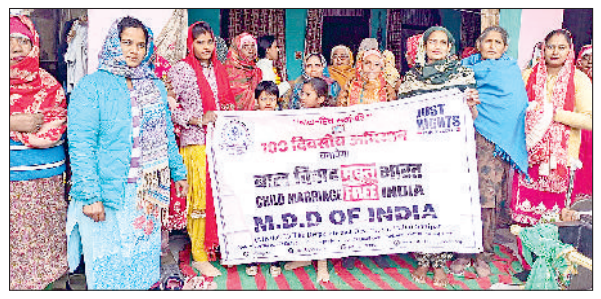

सोनीपत। महिलाओं को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

जिले के 534 बच्चों को बाल विवाह व ट्रैफिकिंग से बचाया

■ बाल सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में सोनीपत के लिए 2025 एक बेहतरीन साल रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

बाल सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में सोनीपत के लिए 2025 एक बेहतरीन साल रहा जहां जिला प्रशासन, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सामुदायिक नेताओं के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए नागरिक समाज संगठन एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा कुल मिलाकर 534 बच्चों को बाल विवाह व ट्रैफिकिंग से बचाया। एमडीडी ऑफ इंडिया देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी संगठन है। जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठन बाल अधिकारों की सुरक्षा व बच्चों के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए देश के 451 जिलों में काम कर रहे हैं। बचाव, सुरक्षा व अभियोजन की रणनीति पर अमल करते हुए इस नेटवर्क ने 1 जनवरी 2025 से अब तक देश भर में 1,98,628 बाल विवाह रोके हैं। इसके अलावा, इसी दौरान देश भर से कुल 55,146 बच्चों को ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया जिनमें 40,830 लड़के व 14,316 लड़कियां थीं।

ऐतिहासिक साल

इसके अलावा बच्चों की ट्रैफिकिंग के 42,217 मामले दर्ज कराए गए। इन समन्वित कार्रवाइयों के नतीजे व असर के बाबत एमडीडी ऑफ इंडिया के निदेशक सुरेन्द्र सिंह मान व जिला समन्वयक डॉ. राज सिंह सांगवान ने सयुंक्त रूप से कहा, बाल सुरक्षा की दिशा में यह एक ऐतिहासिक साल रहा। जिला प्रशासन, पुलिस, ग्राम पंचायतों और शिक्षकों के साथ मिलकर हमने जमीन पर जो किया है, उससे आए बदलाव और नतीजे देखे जा सकते हैं। बच्चे समाज के सबसे संवेदनशील अंग हैं और हमें ये याद रखना चाहिए कि ट्रैफिकिंग के पीड़ित बच्चों को मुक्त कराना सिर्फ पहला कदम है। अगर हमें गरीबी, बाल मजदूरी और बाल विवाह के दुष्चक्र को तोड़ना है तो इसके लिए पुनर्वास, बच्चों का वापस स्कूलों में दाखिला और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील परिवारों की सहायता आवश्यक है।

बीस वाहनों के काटे चालान

■ सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी पड़ सकती है भारी, सतर्कता ही जीवन की सुरक्षा : गीता फोगाट

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वाले चालकों के खिलाफ एसीपी एवं बड़ी थाना की प्रभारी गीता फोगाट सख्त नजर आई। शनिवार को जीटी रोड चौक पर टीम के साथ सड़क सुरक्षा नियमों की अवहेलना करने वाले 20 चालकों के चालान किए। एएसआई श्रमिला ने बताया कि थाना प्रभारी के नेतृत्व में जीटी रोड चौकी प्रभारी सोहन के साथ काली फिल्म वाले 12, गलत पर्किंग 2,बिना नंबर प्लेट के 2, बिना प्रदूषण 2 वाहनों के चालान किए।

गन्नौर। जीटी रोड स्थित चौक पर वाहनों के चालान करती बड़ी थाना पुलिस।

सख्ती से निपटा जाएगा

इसके अलावा पूरे कागजात न मिलने पर 4 वाहनों को जब्त कर थाने भेजा गया। एसीपी गीता फोगाट ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल, मुरथल में शनिवार को आर्ट इंटीग्रेशन विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीबीएसई से संबद्ध तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को पाठ्यक्रम में कला के प्रभावी एकीकरण के लिए सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में पूनम और प्रणव हुड्डा ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल, साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल, ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल और इंडियन मॉडर्न स्कूल के शिक्षकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला, संगीत और नाटक जैसी कलाओं को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व भाषा जैसे विषयों के साथ जोड़ने वाली प्रायोगिक गतिविधियों पर विशेष जोर दिया। शिक्षकों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों, समूह चर्चाओं और गतिविधि-आधारित सत्रों के माध्यम से यह जाना कि किस प्रकार कला-एकीकृत शिक्षण से कक्षा को अधिक आनंदपूर्ण, समावेशी और प्रभावी बनाया जा सकता है। रिसोर्स पर्सन पूनम ने कहा कि कला न केवल बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाती है, बल्कि संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सोनीपत। साउथ पॉइंट वर्ल्ड स्कूल में आयोजित एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ प्रतिभागी शिक्षक।

आभार व्यक्त किया

साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि एनईपी-2020 का मूल उद्देश्य बच्चों को रटंत विद्या से आगे ले जाकर अनुभवात्मक और आनंदपूर्ण शिक्षा देना है। कला-एकीकृत शिक्षण इस दिशा में एक सशक्त माध्यम है। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री, सीईओ भावना कालरा व कार्यकारी अधिकारी डॉ. ममता सचदेवा ने रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त किया।

9वीं नेशनल फेडरेशन वूशु कप में पदक लेकर लौटे खिलाड़ियों का किया स्वागत

खरखौदा। प्रताप सिंह मेमोरियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खरखौदा में 9वीं नेशनल फेडरेशन वूशु कप प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ के राजनंद में किया गया। जिसमें प्रताप विद्यालय के खिलाड़ियों ने कुल 4 पदक, 1 स्वर्ण, 1 रजत व 2 कांस्य जीतकर विद्यालय व प्रदेश का नाम रोशन किया। प्राचार्य दया दहिया ने बताया कि प्रतियोगिता में धीरज ने 85 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक, किरण ने 70 किग्रा वर्ग में रजत पदक, चिराग ने 65 किग्रा एवं 75 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त किया। प्राचार्य ने बताया कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास है। इस दौरान एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, वूशु कोच विनोद गुलिया ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने पदक विजेता खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट भेंट कर सम्मानित किया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने गांव कटवाल में लगाया शिविर

■ शिविर में आईडी बनाने के लिए किसानों का पंजीकरण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को गांव कटवाल में एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आईडी बनाने के लिए किसानों का पंजीकरण किया गया और किसानों को इस आईडी के फायदे बताए गए। खंड गोहाना के कृषि अधिकारी डॉ. जैनेन्द्र ने कहा कि एग्रीस्टैक अर्थात किसान आईडी हर किसान के लिए बनवाना आवश्यक है। किसान आईडी को ही एग्रीस्टैक नाम दिया है। आईडी बनाने के लिए विभाग द्वारा गांवों में शिविर लगाए जा रहे हैं।

कैंप में किसानों को गिनवाए एग्रीस्टैक आईडी के फायदे

गोहाना। किसानों को जागरूक करते हुए डॉ. जैनेन्द्र, डॉ. सुरजीत व अन्य।

बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी

किसान शिविरों में पहुंचकर अपनी आईडी बनवाएं। उनके अनुसार एग्रीस्टैक आईड में किसान की पहचान, भूमि रिकार्ड, फसल विवरण, ऋण और बीमा इतिहास जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल होंगी यह आईडी बनने के बाद बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और किसानों को सभी योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में मिलेगा। शिविर में एडीओ डॉ. सुरजीत और सुपरवाइजर संजय ने भी किसानों को एग्रीस्टैक आईडी बनवाने के लिए जागरूक किया।

सनातन संस्कृति की विश्व में बढ़ रही कीर्ति : बड़ौली

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

नरेंद्र नगर के शिव मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को भागवत कथा रस महोत्सव में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली व विधायक निखिल मदान बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष और विधायक ने कथा व्यास पीठस्थ प्रीति रामानुज का आशीर्वाद लिया और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत की सनातन संस्कृति की पताका लहरा रही है। अबकी बार नव वर्ष पर हर मंदिर और धार्मिक स्थान पर उमड़ी भीड़ इस बात का प्रमाण है कि भारत में सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार बढ़ रहा है। भागवत कथा मनुष्य के लिए जीवन जीने की शैली है।

भागवत कथा के श्रवण मात्र से खुल जाते हैं मोक्ष के द्वार : विधायक

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली साथ में विधायक निखिल मदान।

जिला स्तरीय कष्ट निवारण समिति की बैठक में 18 शिकायतों पर सुनवाई, 15 का मौके पर समाधान

मंत्री गौरव गौतम नहीं पहुंचे, उपायुक्त की अध्यक्षता में मासिक बैठक

स्कूल व अस्पतालों से संबंधित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान हो

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

उपायुक्त सुशील सारवान की अध्यक्षता में शनिवार को लघु सचिवालय के तृतीय तल स्थित सभागार कक्ष में जिला स्तरीय कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान कुल 18 शिकायतों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। बैठक में एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल, कुंडली से संबंधित रोड कनेक्टिविटी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए उपायुक्त ने जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) को आरडब्ल्यूए से तालमेल कर 26 जनवरी तक अस्पताल की सड़क कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते कहा कि स्कूलों व अस्पतालों से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान किया जाए।

सोनीपत। बैठक के दौरान शिकायत रखते हुए शिकायतकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

लंबित शिकायतों की समीक्षा

पिछली बैठक की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते चंद्रवती शर्मा के उत्पीड़न मामले में उपायुक्त ने कमेटी से जानकारी ली तथा डीसीपी को दोबारा जांच के निर्देश दिए। गांव खानपुर कलां निवासी अंगुरी की दरखास्त संबंधी शिकायत पर गोहाना एसडीएम को जमीन क्रेता व परिवार के सभी सदस्यों को बुलाकर समाधान कराने के निर्देश दिए गए। एक अन्य भूमि कब्जा मामले में संबंधित अधिकारियों को पुनः मौके पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि भूमि के वास्तविक मालिक को उसका अधिकार दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समिति सदस्यों की शिकायतों पर भी सुनवाई

बैठक के अंत में कष्ट निवारण समिति के सदस्यों द्वारा उनके क्षेत्रों से संबंधित शिकायतों को भी उपायुक्त द्वारा सुना गया। लोन पर अधिक कर लगाए जाने की शिकायत पर उपायुक्त ने सीटीएम को जांच के निर्देश दिए। राजलूगढ़ी स्टेडियम के बिजली बिल से संबंधित मामले में डीएसओ व बिजली विभाग के एक्सईएन को समाधान करने के निर्देश दिए गए।

19वीं राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

सोनीपत। राई स्पोर्टस यूनिवर्सिटी के मैदान में शनिवार को 19वीं हरियाणा स्टेट सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में महिला व पुरुष 16 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के शुभ आरंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. जसविंदर सिंह मौजूद रहे। वहीं वशिष्ठ अतिथि के रूप में एडवोकेट अमित देशवाल, पवन कुमार व हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हरिओम कौशिक उपस्थित रहे। पहले दिन हुए मुकाबले में पुरुष वर्ग में जींद ने हिसार को 21/13 अंकों से पराजित किया सोनीपत ने रेवाड़ी को 40/28 अंकों से हराया वहीं चरखी दादरी ने झज्जर को 23/14 से हराया। इसी तरह महिला वर्ग में कैथल ने हिसार को 18 /11 से हराया, पंचकूला ने रेवाड़ी को 15/10 से हराया और जींद ने फरीदाबाद को 21/18 से हराया।

श्रद्धांजलि: सावित्रीबाई फुले को किया नमन

गोहाना। शनिवार को देश की पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले का जन्मदिवस मनाया गया। विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पानीपत रोड स्थित खानपुर मोड़ के पास उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि माता सावित्रीबाई फुले शिक्षा, समानता और संघर्ष की प्रतीक थीं। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें नमन किया। मुख्य वक्ता शिक्षाविद रमेश मेहता ने कहा कि फुले भारत की पहली महिला शिक्षक थीं, जिन्होंने विपरीत हालात में लड़कियोंके लिए शिक्षा ग्रहण करने का रास्ता खोला। आजाद दांगी, डा. सुरेश मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

चोरों ने राजकीय स्कूल में लगाई सेंध

गोहाना। गांव बिलबिलान के राजकीय प्राथमिक स्कूल में सेंध लगा दी। यहां चोरों ने एजूसेट कक्ष से चार बैट्री चोरी कर ली। इस कक्ष में एजूसेट की दो ड्राई बैट्री और इनवर्टर की दो बैट्री रखी थी। शुक्रवार को चोरी का पता लगा, जिसके बाद मुख्य शिक्षक आनंद सिंह ने सदर थाना की पुलिस को शिकायत दी। इन दिनों स्कूलों की सर्दी की छुट्टी चल रही हैं।

गांव छिछड़ाना से ग्रामीण लापता

गोहाना। गांव छिछड़ाना से ग्रामीण लापता हो गया। भाई की शिकायत पर बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। कुलदीप ने पुलिस को बताया कि उसका भाई रोहताश उर्फ काला 29 दिसंबर की शाम लगभग छह बजे घर से निकलता था, जिसके बाद वह वापस नहीं आया।

गांव न्यात में किसान के खेत से मोटर चोरी

गोहाना। गांव न्यात से किसान के खेत से मोटर चोरी कर ली गई। उसकी शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया। मुकेश खेती करता है। उसने पुलिस को बताया कि सिंचाई के लिए खेत में ट्यूबवेल लगाया गया है। ट्यूबवेल को चलाने के लिए मोटर लगाई गई थी। शुक्रवार को वह खेत में गया तो मोटर नहीं मिली। अज्ञात व्यक्ति ने मोटर चोरी कर ली।

जिला शिक्षा विभाग सोमवार को सभी स्कूलों को जारी करेगा नोटिस

आरटीई : चयनित निजी स्कूलों से जुर्माना भरवाने की तैयारी, निदेशालय ने दिए निर्देश

1 *आरटीई के तहत सीटों का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड न करने वाले स्कूलों को नवंबर 2025 में दिए गए थे नोटिस*

2 *विभाग की लिस्ट में जिला के 84 निजी स्कूलों का नाम, इनमें सोनीपत ब्लॉक के 18 स्कूल शामिल*

3 *मान्यता प्राप्त होने के बावजूद आरटीई के तहत सीटें नहीं दर्शाने वाले निजी स्कूलों से 30 हजार से 1 लाख रुपये तक लिया जाएगा जुर्माना*

रविंद्र ठाकुर ▶▶| सोनीपत

निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सीटें घोषित नहीं करने वाले निजी स्कूलों से जुर्माना भरवाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शिक्षा विभाग को तीन दिन के अंदर जिला के चयनित 84 निजी स्कूलों से जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए हैं। विभाग की ओर से 5 जनवरी को सभी विद्यालयों को जुर्माना भरने के लिए नोटिस जारी किया जाएगा। शिक्षा विभाग की ओर से अक्टूबर माह में जिले के कुल 681 में से 105 ऐसे स्कूलों की सूची तैयार की गई थी, जिन्होंने मान्यता प्राप्त होने के बावजूद आरटीई के तहत अपनी सीटों को घोषित नहीं किया था। साथ ही आईटीई के तहत पोर्टल पर संबंधित सीटों का ब्योरा अपलोड नहीं किया। इन 105 स्कूलों में से जिले में बिना मान्यता के चल रहे 21 स्कूल बंद हो चुके हैं। अब निदेशालय ने जिला शिक्षा अधिकारी को आईटीई के तहत सीटों का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड नहीं करने वाले शेष 84 निजी स्कूलों पर तीन दिन के अंदर जुर्माना राशि वसूलने के निर्देश दिए हैं। हालांकि विभाग की ओर से नवंबर 2025 में इन स्कूलों को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। विभाग भी जुर्माना राशि वसूलने के लिए निदेशालय के निर्देश का इंतजार कर रहा था। विभाग ने हरी झंडी मिलने के बाद सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्र से संबंधित स्कूलों से जुर्माना राशि वसूलने की जिम्मेदारी सौंपी है।

सोनीपत। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय।

स्कूलों पर इस प्रकार होगी जुर्माना राशि

निजी स्कूलों से जुर्माने के रूप में ली जाने वाली राशि छात्रों की संख्या पर आधारित रहेगी। अधिकारियों के अनुसार जिस निजी स्कूल में छात्रों की संख्या कम व 1000 रुपये तक फीस होगी, ऐसे स्कूलों से 30 हजार रुपये जुर्माना वसूला जाएगा। 3000 रुपये तक फीस वाले स्कूलों से 70 हजार और इससे ज्यादा छात्र संख्या व फीस वाले स्कूलों से 01 लाख रुपये तक जुर्माना लिया जाएगा। निदेशालय के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारियों को नियम अनुसार ही कार्यवाही अमल में लानी होगी।

जुर्माना भरने के बाद कार्यालय में रसीद जमा करवाना अनिवार्य

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा विभाग को सौंपी गई निजी स्कूलों में सूची में जिले के 84 विद्या के मंदिरों को शामिल किया गया है। इनमें 18 निजी स्कूल सोनीपत ब्लॉक के भी शामिल हैं। विभाग ने निदेशालय के निर्देश पर सभी स्कूलों से जुर्माना वसूलने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही निर्देश हैं कि संबंधित स्कूलों को जुर्माना राशि भरने के बाद जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय में रसीद जमा करवाना अनिवार्य रहेगा। विभाग की ओर से यह रिकॉर्ड निदेशालय को भेजा जाएगा।

निर्देशों की अवहेलना पर की जाएगी कार्रवाई

आरटीई के तहत पोर्टल पर सीटों का ब्यौरा नहीं देने वालों से जुर्माना राशि जमा करवाने के निर्देश मिले हैं। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने छात्रों की संख्या व फीस के आधार पर जुर्माना राशि निर्धारित की है। सोमवार को लिस्ट अनुसार सभी निजी स्कूलों को नोटिस भेजकर जुर्माना राशि जमा करवाने की हिदायत दी जाएगी। अगर कोई स्कूल निदेशालय के निर्देशों की अवहेलना करता है तो उस पर विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
-रचना बाना, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

पीएम सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना शिविर का विधायक कादियान ने किया शुभारम्भ

अंत्योदय परिवार को 2 किलोवाट पर मिलेगी 1.10 लाख की सब्सिडी

गन्नौर। शिविर में लोगों को सोलर लगवाने के लिए प्रेरित करते विधायक देवेंद्र कादियान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शनिवार को शहर के बादशाही रोड स्थित दीवान गार्डन में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक देवेंद्र कादियान शिविर में पहुंचे। इस मौके पर यूएचबीवीएन के अधिकारी मुख्य अभियंता (वाणिज्यिक) दीपक पोपली, मुख्य अभियंता रोहतक पलविंद्र कादियान, एसई गीतूराम तंवर, एक्सईन प्रवीन गर्ग, एसडीओ सतीश गोयत, एसडीओ अभिषेक कौशिक आदि मौजूद रहे। विधायक कादियान ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना वरदान साबित हो रही है। जिन परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है, उन्हें 2 किलोवाट के सोलर सिस्टम पर केंद्र की ओर से 60 हजार और प्रदेश सरकार की ओर से कुल 1 लाख 10 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी।

गरीब परिवार आत्मनिर्भर बनेंगे

1.80 लाख से 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों को केंद्र और राज्य सरकार से कुल 80 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। विधायक ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। इससे गरीब परिवारों की मासिक बचत बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। यूएचबीवीएन के अधिकारी दीपक पोपली ने बताया कि सोलर सिस्टम से न सिर्फ बिजली बिल खत्म होगा, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आय भी अर्जित की जा सकती है। बिजली निगम 2 रुपए 80 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली खरीदेगा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अंकित मल्होत्रा, दिनेश अदलखा, ईश्वर कश्यप, पार्षद अजय सरोहा, एसडीओ रवि खोखर, जेई विकास शर्मा, बिजली निगम से राजू, प्रदीप कुमार, दीपक पांचाल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

गोहाना। कार्यक्रम में वक्ताओं व शिक्षकों के साथ विद्यार्थी।

सफलता पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें : महेंद्र

गोहाना। शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल में शनिवार को समावेशी शिक्षा पर दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा का महत्व समझाया गया और सफलता प्राप्ति के लिए जीवन में मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य कुलदीप देशवाल ने की।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए स्कूल के चेयरमैन महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि जीवन में सफल बनने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और कड़ी मेहनत व समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ें। अनुशासन पर केंद्रित रहें, अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें। कार्यक्रम में सीबीएसई की ओर से संसाधक गायत्री और उषा ने कहा कि समावेशी वह शिक्षा प्रणाली है जिसमें सभी बच्चे चाहे वे किसी भी पृष्ठभूमि से हों, सामान्य हों या फिर विकलांग वे सब एक ही मुख्यधारा के विद्यालय में एक ही छत के नीचे समान रूप से सीखते हैं। कार्यक्रम में अशोक दांगी ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में 60 शिक्षकों ने भाग लिया।

विशेष कैंप में दर्ज किए गए 77 इंतकाल : अंजलि

गोहाना। एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, चंडीगढ़ के आदेशानुसार शनिवार को सोनीपत मार्ग स्थित उपमंडलीय परिसर गोहाना में लंबित इंतकालों एवं जमाबंदी के समाधान के लिए आयोजित विशेष कैंप में ऑपरेटर द्वारा 77 इंतकाल दर्ज किए गए। एसडीएम ने कहा कि दर्ज किए सभी इंतकालो की संबंधित अधिकारियों द्वारा पूर्ण जांच उपरांत ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इंतकाल दर्ज करने की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन रखा गया है जिससे आवेदक को किसी भी प्रकार की शिकायत ना रहे और जल्द से जल्द इंतकाल दर्ज हो सके। इस अवसर पर कानूनगो रणबीर मलिक, अजय कुमार, ऑपरेटर शमशेर व गौरव आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

शोरूम में चोरी के मामले में तीसरा आरोपी काबू

सोनीपत। जीटी रोड मुरथल स्थित एडिडास शोरूम की दीवार तोड़कर नकदी, फोन, लैपटॉप और जूते चोरी करने की घटना में संलिप्त तीसरे आरोपित को थाना मुरथल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सूरज उर्फ छोटू निवासी जमालपुर जिला बस्ती बिहार हाल देवडू रोड सोनीपत के रूप में हुई है। यह मामला 12 मार्च 2024 को दर्ज हुआ था, जब शोरूम संचालक राहुल निवासी सेक्टर 15 सोनीपत ने शिकायत में बताया था कि रात को शोरूम बंद करने के बाद सुबह पहुंचने पर पाया कि पीछे स्टोर की दीवार तोड़कर अज्ञात लोगों ने अंदर से 98 हजार रुपये नकद, एक फोन, एक लैपटॉप और 10 से 12 जोड़ी जूते चोरी कर लिए।

महाराज सत्यनाथ की 41 दिवसीय तपस्या पूर्ण होने पर हवन कर लगाया भंडारा

गन्नौर। गांव राजपुर में महाराज सत्यनाथ की 41 दिन की जलधारा तपस्या पूर्ण होने पर प्राचीन शिव मंदिर में हवन कर भंडारा लगाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों के ग्रामीणों सहित साधु-संत भी शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने महाराज सत्यनाथ से आशीर्वाद प्राप्त कर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। मास्टर राजेश राठी ने बताया कि महाराज सत्यनाथ ने 41 दिन तक शिव भक्ति में लीन रहकर कठिन तपस्या की। तपस्या पूर्ण होने पर धार्मिक अनुष्ठान में सुबह से ही शिव मंदिर में भक्तों का आना जाना लगा रहा। मंदिर परिसर को फूलमालाओं से सजाया गया। भक्ति संगीत व मंत्रोच्चारण से माहौल शिवमय हो गया। प्रदेशभर से आए साधु-संतों ने वैदिक मंत्रों के साथ हवन में आहुति डालकर गांव, क्षेत्र व देश में सुख-शांति, समृद्धि व आपसी भाईचारे की कामना की। महाराज सत्यनाथ ने बताया कि उनकी तपस्या का उद्देश्य केवल आत्मशुद्धि ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा व सद्भावना का प्रसार करना है। उन्होंने सभी से सत्य, अहिंसा, सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

गन्नौर। गन्नौर के गांव राजपुर स्थित शिव मंदिर में तपस्या पूर्ण होने पर भंडारे में संतों के साथ प्रसाद ग्रहण करते महाराज सत्यनाथ।

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में कथा कथन कार्यशाला का आयोजन

शिक्षकों के लिए भी समय- समय पर सीखना जरूरी : नीरज शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में कथा कथन कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला की मुख्य वक्ता डॉ. निशी फोगाट रहीं। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया साथ ही ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी के प्रबंधक नीरज शर्मा, निदेशिका रीमा शर्मा, प्रधानाचार्या चंचल शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर नीरज शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं, उनको भी समय-समय पर सीखना बहुत जरूरी है। हर बच्चे का मानसिक व बौद्धिक स्तर अलग-अलग होता है। उनको समझने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने पड़ते हैं। अनुभवात्मक शिक्षा छात्रों को उनके कार्यों और उनकी विचार प्रक्रियाओं, और यहां तक कि उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं की जांच करना सिखाती है। यह आंतरिक प्रतिबिंब छात्रों को कार्यस्थल के लिए तैयार करता है और उन्हें प्रमुख जीवन विकल्प बनाने, उनके व्यक्तिगत संबंधों को बेहतर बनाने और उनकी भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है। उन्होंने कथा-कथन के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई। शिक्षकों ने भी विभिन्न क्रियात्मक गतिविधियों में भाग लिया तथा इसके विभिन्न पहलुओं को समझा। कार्यशाला के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्या चंचल शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा शिक्षकों का धन्यवाद किया।

सोनीपत। कार्यशाला में शामिल प्रतिभागी शिक्षकों के साथ वक्ता एवं अन्य।

सोनीपत। सोनीपत के मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति अवॉर्डी डॉ. ज्योतिराज को पौधा भेंट कर स्वागत करते स्वयंसेवक, साथ हैं प्रोफेसर डॉ. सुनील पंवार।

एनएसएस राष्ट्र सेवा का सशक्त माध्यम : ज्योतिराज

सोनीपत। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मॉडल टाउन में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का शनिवार को तीसरा दिन रहा। स्वयंसेवकों ने शिविर की शुरुआत योगाभ्यास एवं प्राणायाम के साथ की। तत्पश्चात स्टाफ सदस्यों व स्वयंसेवकों ने मिलकर सरस्वती वंदना की। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति अवॉर्डी डॉ. ज्योतिराज ने शिरकत की। शिविर की अध्यक्षता प्राचार्य संजीव कुमार दहिया ने की। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति अवॉर्डी डॉ. ज्योतिराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएसएस राष्ट्र सेवा का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को सही राह पर चलने का संदेश दिया। दूसरे सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय से प्रोफेसर डॉ. सुनील पंवार ने स्वावलंबी भारत विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वयं अब जाग कर हमको, जगाना देश है अपना। हमें स्वयं का विकास करके सिर राष्ट्रोत्थान में अपना योगदान देना है। सायंकालीन सत्र में टीकाराम महिला महाविद्यालय से डॉ. अनीता ने स्वयंसेवकों को ध्यान का अभ्यास करवाकर तनावरहित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। शिवर में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी पवन, डॉ. आनंद, बिजेंद्र मौजूद रहे।

मकान में लगी आग लाखों का सामान जला

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित दहिया कॉलोनी गली नंबर 3 में सुरेंद्र के मकान में अचानक आग लगने से लाखों रुपये का नुकसार हो गया। आग लगने के कारण घर के एक हिस्से में रखा घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे परिवार को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आग लगते ही आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मदद शुरू की और हालात को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। वहीं आगजनी की घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक निखिल मदान ने घटनास्थल का जायजा लिया।

युवा इनेलो हलका अध्यक्ष बीनू दहिया की हत्या का मामला

परिजन बोले- उच्चस्तरीय जांच कर आरोपियों को जल्द पकड़ें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राई के युवा इनेलो हलका अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह उर्फ बीनू दहिया की हत्या मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। वहीं बीनू दहिया के परिजनों ने कहा कि उन्हें इंसाफ चाहिए। बीनू की किसी से रंजिश नहीं थी। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

भूपेंद्र सिंह का शव शुक्रवार को उनके दिल्ली के ऑफिस में पड़ा मिला था। उनके सिर में कुल्हाड़ी से वार किए गए। उनका शव शव को जलाने की कोशिश की गई थी। परिवार का कहना है कि भूपेंद्र एक जनवरी को घर से 12 लाख रुपए लेकर निकले थे। उन्होंने बताया था कि उन्हें किसी की पेमेंट करनी है।

■ दिल्ली के ऑफिस में हुई थी हत्या, शव जलाने का किया था प्रयास

जहां भूपेंद्र का शव मिला, वहां कुछ कैश भी जला हुआ मिला।

वह देर शाम तक वापस नहीं आए तो परिजनों ने उनके पास कॉल की। जब कॉल का जवाब नहीं मिला तो परिजन उन्हें तलाश करने लगे। देर रात करीब 11 बजे वह दिल्ली के गांव लामपुर के पास स्थित उनके कार्यालय में गए तो वहां भूपेंद्र का शव खून से लथपथ मिला। वहां पर तसले (लोहे का बर्तन) में नकदी जली हुई थी। भूपेंद्र के शव को जलाने का प्रयास किया गया था।

लामपुर बॉर्डर व नरेला में है कार्यालय

मनोज ने बताया कि उनके भाई डेढ़ दशक से प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़े हुए थे। लामपुर बॉर्डर और दिल्ली के नरेला क्षेत्र में उनके कार्यालय थे, जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर में उनकी नियमित आवाजाही रहती थी। वह इनेलो से जुड़े थे और 20 सितंबर 2025 को उन्हें राई विधानसभा क्षेत्र का युवा हलकाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। गांव नाहरी निवासी भूपेंद्र के परिवार में भाई मनोज, मां, पत्नी और बेटे है। वर्ष 2010 में शादी हुई थी और उनका 14 साल का बेटा दक्ष राई खेलकूद स्कूल में आठवीं में पढ़ रहा है और छोटा बेटा गांव के स्कूल में शिक्षा ले रहा है। भूपेंद्र की हत्या के बाद परिवार, पार्टी कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों में शोक के साथ भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

खरखौदा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मटिंडू में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर में स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान चलाया। शिविर का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दीपक ने किया, अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने की। शिविर की शुरुआत स्वयंसेवकों ने योगाभ्यास व प्रार्थना के साथ हुआ। तत्पश्चात कन्या महाविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान के प्राध्यापक रमेश सैनी ने साइबर अपराध पर जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीन जिलों के प्रभारी समुंद्र मलिक ने समाज सेवा के महत्व से अवगत कराया। सायंकालीन सत्र में डॉ. हरिदर्शन ने स्वयंसेवकों के साथ भाषा विज्ञान पर चर्चा की।

धर्म-कर्म श्रीमद्भागवत कथा में कथाव्यास साध्वी समाहिता ने माहौल बनाया भक्तिमय

सनातन के संस्कारों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में बजाया डंका : मोहनलाल बड़ौली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन शनिवार को कथाव्यास साध्वी समाहिता ने द्वारका लीला, सुदामा चरित्र, श्री शुकदेव विदाई का वर्णन कर वातावरण को भक्तिमय बनाया। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कथा में पहुंचकर साध्वी समाहिता का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री शिव मंदिर सनातम धर्म सभा के प्रधान एवं नपा चेयरमैन अरुण त्यागी ने प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल का पगड़ी व फूलमालाओं से स्वागत किया।

गन्नौर। गन्नौर के शिव मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को स्मृति चिन्ह प्रदान करती साध्वी समाहिता।

परमात्मा की कृपा से प्रवचन सुनने का अवसर मिलता

प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल ने बताया कि भागवत में शामिल होकर प्रवचन सुनने का अवसर परामत्मा की कृपा से प्राप्त होता है। धार्मिक आयोजनों में आने वाला व्यक्ति भाग्यवान होता है। सनातन के संस्कारों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया में डंका बजाया है। दुनियाभर से लोग सनातन को जानने के लिए हमारे देश का भमण करते हैं। सनातन ने ही पूरी दुनिया में शांति व भाईचारे का संदेश दिया है। कथाव्यास साध्वी समाहिता ने कहा कि मनुष्य को अपने धर्म के प्रति आस्था रखनी चाहिए। भागवत कथा में जीने की पद्धति का पूरा ज्ञान समाहित है। गीता का ज्ञान देने के लिए भगवान कृष्ण ने हरियाणा की पावन भूमि कुरुक्षेत्र को चुना, जहां हम पैदा हुए हैं। भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका लीला उनके जीवन की महिमा व लोककल्याण का अनुपम उदाहरण है। सुदामा चरित्र सच्ची मित्रता, विनम्रता व निष्काम भक्ति का श्रेष्ठ उदाहरण है। तीनों प्रसंगों में भक्ति, प्रेम, त्याग व वैराग्य का अद्भुत संगम दिखाई देता है, जो मानव जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *